फूड स्ट्रीट 'प्रसादम', उज्जैन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देश की **पहली स्वस्थ और स्वच्छ फूड स्ट्रीट, 'प्रसादम' का उद्घाटन किया, जो** उज्जैन के महाकाल लोक **में पारंपरिक स्वस्थ भोजन तथा** मोटे अनाज **से बने व्यंजन परोसेगी।**

मुख्य बिंदु:

- 175 लाख रुपए की लागत से बनी **'प्रसादम' में 17 दुकानें होंगी,** जिनमें **राजगिरा, सांवा, कुट्टू, रागी, दाल-बाफले और राज्य के अन्य प्रसिद्ध पारंपरिक व्यंजनों से बने व्यंजन उपलब्ध होंगे।**
- फूड स्ट्रीट **फरवरी, 2024 के पहले सप्ताह से पूरी तरह से चालू हो जाएगी और परिसर में जंक फूड तथा प्लास्टिक प्रतिबंधित है।**
- **भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) विक्रेताओं को खाद्य हैंडलिंग प्रशिक्षण प्रदान करेगा,** जबकि **फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स** वाहन सप्ताह में एक बार भोजन का निरीक्षण करने आएगा और विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेगा।
    - देश के विभिन्न स्थानों पर **100 स्वस्थ और स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनेंगे।**
- **मुख्यमंत्री ने मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित 'मैनहिट' ऐप भी लॉन्च किया।** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश की मानसिक स्वास्थ्य इकाई द्वारा मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग ऐप "मैनहिट" विकसित किया गया है।
    - **इसे मुख्य रूप से तीन खंडों में विभाजित किया गया है:** मानसिक स्वास्थ्य स्व-मूल्यांकन, जागरूकता सामग्री/वीडियो और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ संपर्क।

मोटे अनाज

- मोटे अनाज **पारंपरिक रूप** से देश के संसाधनहीन **कृषि-जलवायु क्षेत्रों में उगाए जाते हैं। इन्हें पोषक-अनाज भी कहा जाता है।**
    - कृषि-जलवायु क्षेत्र एक निश्चित श्रेणी की फसलों और किस्मों के लिये उपयुक्त प्रमुख जलवायु के संदर्भ में एक भूमि इकाई है।
- **प्रमुख मोटे अनाज (Major millets) में** ज्वार (sorghum), बाजरा (pearl millet) और रागी (finger millet) शामिल हैं, जबकि गौण मोटे अनाज (Minor millets) में कंगनी (foxtail), कुटकी (little millet), कोदो (kodo), वरगिा/पुनर्वा (proso) तथा साँवा (barnyard millet) शामिल हैं।
- **मोटे अनाज उत्पादक राज्यों में** कर्नाटक, राजस्थान, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश **आदि शामिल हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/healthy-food-street-prasadam-at-ujjain